# मेघदूत में सूक्ति सौन्दर्य

**डॉ0 आमोद कुमार पाण्डेय**

महाकवि कालिदास की रचना में रघुवंशम् कुमारसम्भवम्, ऋतुसंहार, अभिज्ञान शाकुन्तलम, मालविकाग्नि मित्रम्' है इसके अलावे मेघदूत खण्ड काव्य, या गीतिकाव्य प्रमुख है इसमें मेघूदत अति लघुकाव्य है। इनकी मनोरम काव्य रचना अद्वितीय है इनके प्रकृति वर्णन में इतनी सजीवता है इतनी रमणीयता है तथा इतनी भव्यता और स्वाभाविकता है कि पाठकों एवं श्रोताओं के मन बरबस इनमें रम जाते है। कालिदास कें पद्यों में विचार गाम्भीर्य है, इनके पदों से उपदेश मिलता है, उनकी उक्तियॉ (सूक्ति) आज भी हमारा पथ प्रदर्शन कर सकती है। इनके वाक्यों में संसार का अनुभव है, जीवन के बहुमुल्य सिद्धान्त है जिनके पढ़ने से और जिनके अनुसरण से हम आज भी लाभ उठा सकते है।